THE DEPUTY CHAIRMAN : All right; but it should be written that parameter.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : The gravity of the issue basically is that an hon. Member of this House is not only threatened and there is a threat to her life, but also a threat to her dignity and a threat to her prestige by no less a person than the Chief Minister. This is a matter of grave concern for us and, therefore, it is not enough for the Home Minister to get up and tell us that he has only brought it to the notice of the Chief Minister. That does not solve the problem because in this case the accusation is against the Chief Minister himself. Madam, the Home Ministry also is in concurrent charge of law and order and in concurrent charge of the whole thing. Therefore, I would like the Home Minister to assure the lady Member—he should himself assure her—that her prestige, her dignity and her life will be safe.

THE DEPUTY CHAIRMAN : He assured it; he made the assurance on the floor of the House.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Asking the Chief Minister to look after me would mean for me going to the slaughter-house.... (*Interruptions.*) Under the circumstances, please tell me what confiedence can I have in the Chief Minister ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Confidence in the Home Minister.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : I am requesting the House; I am requesting the Home Minister, and he is going to be responsible. I cannot go to the Chief Minister and tell him. I am sorry I cannot... (*Interruptions.*) This is after he was officially declared as the Chief Minister that he went on saying all these things. This was not during the elections; it was after the elections.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : We want Central protection for her.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Afzal.

RE. ALLEGED PARTIAL ATTITUDE OF POLICE IN BOMBAY

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं बड़े दुःख के साथ यहां एक मसला उठाना चाहता हूं। मैडम, 6 दिसंबर के बाद जो कुछ मुल्क में हुआ है, उसमें तकरीबन दो-ढाई हजार लोग मारे जा चुके हैं और उसके बाद बंबई में जो बम ब्लास्ट हुआ उसमें भी काफी बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं, लेकिन उसके बाद भी हालात अच्छे नहीं हैं।

मैडम, मैं आपकी तवज्जो बंबई की तरफ दिलाना चाहता हूं। मैडम, मेरी समझ में एक बात नहीं आती है कि हकूमत के इंसाफ के पैमाने हमेशा दो क्यों रहते हैं? मैं बड़ी सफाई के साथ यह बात कहना चाहता हूं और मैडम आज मैं आपको यह बात कहना चाह रहा हूं कि मैंने अपने मसाइल्स को और खास तौर पर मुसलमानों के मसाइल को अपने दूसरे दोस्तों के जरिए यहां पर उठवाने की कोशिश की है ताकि इसको दूसरा रंग देने की कोशिश न की जाए, लेकिन अब हालात इस किस्म के हो रहे हैं कि प्रेम शंकर झा जैसे नामवर साहब यह लिखते हैं कि जो गलती सिखों के साथ की थी, उसे मुसलमानों के साथ मत दोहराओ वरना इस मुल्क का बुरा हो जाएगा। मैडम, मेरी इत्तला के मुताबिक बंबई के अंदर तीन हजार लोग मारे गए और इसके ऊपर पार्लियामेंट में एक फुल-फ्लैज्ड डिस्कसन अलाउ नहीं किया गया। लोग डिमांड करते रहे, लेकिन जब हाउस खुला तो तीन दिन तक यही बी. जे. पी. की रैली होगी या नहीं, इस पर वाइस होती रही और हम लोग बंबई में मारे जानेवालों के लिए हाथ उठाते-उठाते थक गए और एक जुमला तक इस हाउस के अंदर नहीं कह पाए। उसके बाद जब बम ब्लास्ट हुआ तो इसी पार्लियामेंट में पूरे दिन की बहस मंजूर की गयी। क्या फसादात में मारे जानेवालों की लाशें और बम ब्लास्ट में मारे जानेवालों की लाशों के अंदर कुछ फर्क होता है ? यहां पार्लियामेंट पूरे एक दिन बहस करती है और शाम को दो मिनिट का मौन रखा जाता है। उसकी बाद एक दिन की तनख्वाह काटी जाती है। हमने उसको मंजूर किया था, लेकिन अगले रोज जब कलकत्ते

के अंदर बम ब्लास्ट हुआ तो मैंने यहां पर खड़े होकर दरख्वास्त की कि यही मौन वृत हम को उसके लिए भी रखना चाहिए और एक दिन की तनख्वाह देनी चाहिए, लेकिन मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मेरी उस तजवीज को यहां मंजूर नहीं किया गया और मैडम आज बंबई के अंदर क्या हालात हैं बम ब्लास्ट के बाद ? आप मेमन ब्रदर्स, दाउद इब्राहीम को फांसी चढ़ा दीजिए, हम को कोई एतराज नहीं है, लेकिन बंबई के अंदर बेगुनाह मुसलमानों को पकड़-पकड़कर लाक-अप के अंदर बंद कर के उनके हाथ-पैर तोड़े जा रहे हैं। चौबीस घंटे नहीं, 19-19 दिन तक ..... (व्यवधान) ...

श्री मोहम्मद अफजल अरफ़म. अफ़ज़ल उत्तर प्रदेश† मैडम. मैं बड़े दुख के साथ यहां एक मसला उठाना चाहता हूं. मैडम. 6 दिसम्बर के बाद जो कुछ मुल्क में हुआ है उस में तकरीबन दो ढाई हजार लोग मारे जा चुके हैं और उस के बाद बंबई में जो बम ब्लास्ट हुआ उस में दो ढाई हजार लोग मारे जा चुके हैं और उस के बाद बंबई में जो बम ब्लास्ट हुआ. उस में भी काफी बड़ी तादाद में लोग मारे गये हैं. लेकिन उस के बाद भी हालात अच्छे नहीं हैं.

मैडम. मैं आपकी तवज्जह बंबई की तरफ दिलाना चाहता हूं. मैडम. मेरी समझ में एक बात नहीं आती है कि हुकूमत के इंसाफ के पैमाने हमेशा दो किस्म के रहते हैं. मैं बड़ी सफाई के साथ यह बात कहना चाहता हूं

और मैडम. आज मैं आप को यह बात कहना चाह रहा हूं कि मैं ने अपने मसाइल को और खास तौर पर मुसलमानों के मसाइल को अपने दूसरे दोस्तों के जरिये यहां पर उठवाने की कोशिश की है ताकि इस को दूसरा रंग दिया जा सके. लेकिन अब हालात इस किस्म के हो रहे हैं कि पेरियम शंकर जैसे नामवर साहब यह कहते हैं कि जो गलती सिखों के साथ की थी वैसे मुसलमानों के साथ मत दोहराइए वरना इस मुल्क का बुरा हाल हो जाएगा. मैडम. मेरी इत्तिला के मुताबिक बंबई के अंदर तीन हजार लोग मारे गये और इस के ऊपर पार्लियामेंट में एक फुल फ्लेजड डिसकशन आज तक नहीं किया गया. लोग डिमांड करते रहे लेकिन जब हाउस खुला तो तीन दिन तक यहां बी. जे. पी. की रैली हुई या नहीं. इस पर बहस होती रही और हम लोग बंबई में मारे जाने वाले लोगों के लिये हाथ उठाते उठाते थक गये और एक जुमला तक इस हाउस के अंदर नहीं कहा जा सका. इस के बाद जब बम ब्लास्ट हुआ तो इसी पार्लियामेंट में पूरे दिन की बहस मंजूर की गई. क्या फसादात में मारे जाने वालों की लाशें और बम ब्लास्ट में मारे जाने वालों की लाशों के अंदर कुछ फर्क

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

ہوتا ہے۔ یہاں پارلیمنٹ پورے ایک دن بحث کرتی ہے اور شام کو دو منٹ کا مون رکھا جاتا ہے۔ اس کے بعد ایک دن کی تنخواہ کاٹی جاتی ہے ہم نے اس کو منظور کیا تھا لیکن اگلے روز جب کلکتہ کے اندر بم بلاسٹ ہوا تو میں نے یہاں پر کھڑے ہو کر درخواست کی کہ یہی مون برت ہم کو اس کے لئے بھی رکھنا چاہیئے اور ایک دن کی تنخواہ دینی چاہیئے۔ لیکن مجھے بڑے افسوس کے ساتھ کہنا پڑتا ہے کہ میری اس تجویز کو یہاں منظور نہیں کیا گیا اور میڈم آج بمبئی کے اندر کیا حالات ہیں بم بلاسٹ کے بعد۔ آپ میمن برادرس۔ داؤد ابراہیم کو پھانسی چڑھا دیجئے۔ ہم کو کوئی اعتراض نہیں ہے لیکن بمبئی کے اندر بے گناہ مسلمان نوجوانوں کو پکڑ پکڑ کر لاک اپ کے اندر بند کر کے ان کے ہاتھ پیر توڑے جا رہے ہیں چوبیس گھنٹے نہیں 19۔ 19 دن تک۔۔۔ مداخلت"۔۔۔

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) : ये कोई मुसलमानों की बात नहीं है, क्रिमिनल्स आर क्रिमिनल्स आइदर दे आर हिंदूज और मुस्लिम्स . . . (व्यवधान) . . He cannot speak like this. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : मैं आपसे कह रहा हूं जो क्रिमिनल हैं, आप उनको फांसी चढ़ाइए, हम आपके साथ हैं। . . (व्यवधान) . . मैडम, मैं आपको मिसाल दे रहा हूं यहां पर। . . . (व्यवधान) . . . मेरी बात सुन लीजिए। . . (व्यवधान) . . . .

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں آپ سے کہہ رہا ہوں جو کریمنل ہیں آپ ان کو پھانسی چڑھائیے۔ ہم آپکے ساتھ ہیں۔ ۔۔۔ مداخلت"۔۔۔ میڈم۔ میں آپ کو مثال دے رہا ہوں یہاں پہ۔۔۔ مداخلت"۔۔۔

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : कोई तस्करी में आर्म लाएगा, हम उसका समर्थन नहीं करते । . . . (व्यवधान) . . .

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : मैडम, आप मुझे अगर नहीं बोलने नहीं देना चाहते तो मैं बैठ जाता हूं।

. . . (व्यवधान) . . मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि आप अगर मुझे नहीं बोलने देना चाहते तो मैं बैठ जाता हूं। मैं आपको इसकी मिसाल दे रहा था। . . . . (व्यवधान . . . मैं यह कहता हूं कि आप मुझे बोलने की जानबूझकर इजाजत नहीं देना चाहते। . . . (व्यवधान) . .

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم آپ مجھے اگر نہیں بولنے دینا چاہتے تو میں بیٹھ جاتا ہوں۔۔۔ مداخلت"۔۔۔ مجھے افسوس کے ساتھ کہنا پڑتا ہے کہ آپ اگر مجھے نہیں بولنے دینا چاہتے تو میں بیٹھ جاتا ہوں میں آپ کو اس کی مثال دے رہا تھا۔۔۔ مداخلت"۔۔۔ میں یہ کہتا ہوں کہ آپ مجھے بولنے کی جان بوجھ کر اجازت نہیں دینا چاہتے۔۔۔ مداخلت"۔۔۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री विट्ठलराव माधवराव गाधव : आप राजनीति से प्रेरित बात करते हैं। . . . . . (व्यवधान) . . .

THE MINISTER OF POWER (SHRI N. K. P. SALVE) : Madam, I am on a matter of procedure. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मडम, माहिम के लाकअप में औरतों को पकड़ कर रखा गया है, बच्चों को पकड़ा गया। उनको कई-कई दिन लाकअप में रखा गया है। उनको प्रोड्यूस नहीं किया गया अदालत के सामने। हाईकोर्ट का आर्डर मौजूद है।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم، ماہم کے لوک اپ میں عورتوں کو پکڑ کر رکھا گیا ہے۔ بچوں کو پکڑا گیا۔ ان کو کئی کئی دن لوک اپ میں رکھا گیا ہے ان کو پروڈیوس نہیں کیا گیا عدالت کے سامنے ہائیکورٹ کا آرڈر موجود ہے۔

THE DEPUTY CHAIRMAN : I will allow Mr. Salve. He has got a point. (Interruptions) Mr. Afzal, I will allow you, but let me hear Mr. Salve. (Interruptions). He has got a point of procedure. I will allow him.

SHRI N. K. P. SALVE : Madam, the hon. Member is speaking on an extremely delicate subject. First of all, through you, Madam, I would urge upon him that he should not say or do something which will only harm the interest of the minorities. I also belong to a minority.

I agree that nobody in the country should ever be tortured or troubled by the police. I myself got some complaints. Every time when I received a complaint, I had talked to the Chief Minister that such a thing had happened. I want to go on record here that Chief Minister intervened immediately. It is absolutely erroneous to suggest or say that in Bombay, Muslims are being discriminated against. No. This is incorrect. This is the point of procedure I wanted to refer to.

Certain things have happened. Certain criminals have been involved in very serious offences in Bombay. They are being investigated against. If he knows anything, if the hon. Member has some information about anyone being tortured for no rhyme or reason, let him please tell me or ring up the Chief Minister. You will get redress. (*Interruptions*)

The second point is very important. He is making some allegations against the State Government. They do not have anybody to defend them here. Is it fair on the part of the hon. Member to make this kind of allegations, particularly, when we have congratulated the Bombay police for their expeditious investigation of the matter?

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : I am talking about the Bombay police. I have not said any thing against the Chief Minister.

SHRI N. K. P. SALVE : I am also talking about the Bombay police. They have done a very good job in investigating the matter and bringing the people, the criminals, to book. They are in the midst of investigation.. (*Interruptions*) This is wrong.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मडम, यह मदाखलत अफसोसनाक है। मैं आपसे कभी यह उम्मीद नहीं करता था।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: آپ کی یہ مداخلت افسوسناک ہے۔ میں آپ سے کبھی یہ امید نہیں کرتا تھا۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री एन. के. पी. साल्वे : नहीं, नहीं, आप समझ नहीं रहे हैं मेरी बात को । आप यह जान लीजिएगा कि जो लोग इस गुनाह में शामिल हैं, जो कांपलीसिटि है जिन लोगों की, इनके लिए जो कुछ करना है कोई रोकने की बात नहीं कहिएगा डायरेक्टली या इनडायरेक्टली ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं कभी नहीं करूंगा, लेकिन . . . (व्यवधान) . . .

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں کبھی نہیں کروں گا لیکن..."مداخلت"...

श्री एन. के. पी. साल्वे : सुन लीजिए, पहले । दूसरा यह कि पुलिस अगर ज्यादती कर रही है किसी तरीके की, मेरे पास भी शिकायतें आई हैं, लेकिन यह कोई तरीका नहीं है कि इस तरीके से इसे उठाएं क्योंकि स्टेट गवर्नमेंट का मामला है । . . .

Madam, the State Government is extremely sympathetic in all matters. To my knowledge, I want to submit that the State Government is sympathetic in regard to the complaints that are made, where someone thinks that the police is committing excesses.

Therefore, I would urge that in the interest of the cause which he is pleading—the cause which I also support—please do not allow this kind of a statement to be made here. It will only damage, him, damage the cause of the minorities and damage the entire approach towards the integrity of the country.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम मुझे लगता है कि मिनिस्टर थ्रेट कर रहे हैं मुझको सीधा और माइनोरिटि कम्युनिटि को थ्रेट कर रहे हैं यह बात कहकर कि आप यहां पर यह मसला मत उठाइए । मैं कहता हूं कि डबल स्टैण्डर्ड है आपका, आपकी सरकार को शर्म आनी चाहिए । बाल ठाकरे ने कहा कि बाबरी मस्जिद मैंने तुड़वाई है और आपकी हिम्मत नहीं कि 153 (ए) के तहत आप एक मुकदमा शिव सेना के खिलाफ कर दें । आप उनके खिलाफ एक मुकदमा दर्ज नहीं कर सके और बेगुनाह लोगों को, बच्चों को, औरतों को लाकअप में बंद करते हैं, तीन-तीन दिन प्रोड्यूस नहीं करते मजिस्ट्रेट के सामने । यह कैसा डबल स्टैण्डर्ड है आपका ? मैं जानना चाहता हूं कि आपने शिव सेना के खिलाफ क्यों कार्यवाही नहीं की अब तक ?

मैडम, कुछ बच्चों को जेल लाया गया, लाक-अप में बंद किया गया । उन्होंने कहा कि कल हमारा पेपर है—9 साल की बच्ची कहती है कि कल हमारा पेपर है, माहिम के लाक-अप के अंदर उनको रखा गया था तीन बच्चों को पूरी फेमिली के साथ, उसने कहा कि कल हमारा पेपर है, मैं 9 साल की बच्ची हूं, मेरा फाइनल एग्जाम है, उसे नहीं जाने दिया गया । तीन दिन के बाद उस पूरी फेमिली को छोड़ा गया । जब वह बच्ची स्कूल गई तो प्रिंसिपल ने कहा कि आप लिखवाकर लाइए कि आपको जेल में बंद किया गया था । जब थाने में गई तो उन्होंने कहा कि हमने तो आपको बंद ही नहीं किया था । किसके पास जाएं, किससे फरियाद करें हम ? मुझे अफसोस है आपके ऊपर

कि आपका ताल्लुक बम्बई से है, आप सब कुछ जानते हैं कि वहां क्या हो रहा है और आप खड़े होकर चीफ मिनिस्टर को डिफेंड कर रहे हैं। शरद पवार साहब को हमने बहुत डिफेंड किया है और मुझे शर्म आती है कि आज उनके चीफ मिनिस्टर होने के बाद बम्बई में खास तौर से बेगुनाह मुसलमानों के साथ जुल्म किया जा रहा है, मैं खुले रूप से कहता हूं इस बात को।

श्री मोहम्मद अफजल (नामनिर्देशित): मैडम, मुझे लगता है कि मिनिस्टर तथ्य पेश कर रहे हैं। मुझे सुझाव और मार्गदर्शन करना चाहिए। ये बातें कहकर आप यहां पर मसला न उठाइये। मैं कहता हूं कि डबल स्टैंडर्ड है आपका। आप की सरकार को शर्म आनी चाहिये। बाल ठाकरे ने कहा है कि बाबरी मस्जिद मैंने तुड़वाई है और आप की हिम्मत नहीं कि आप 'टाडा' के तहत आप एक मुकदमा शिवसेना के खिलाफ कर दें। आप उन के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज नहीं कर सके और बेगुनाह लोगों को, बच्चों को, औरतों को लॉक अप में बन्द करते हैं। तीन तीन दिन प्रोड्यूस नहीं करते मजिस्ट्रेट के सामने यह कैसा डबल स्टैंडर्ड है आपका मैं जानना चाहता हूं कि आप ने शिवसेना के खिलाफ क्यों कार्रवाई नहीं की अब तक। मैडम, कुछ बच्चों को जेल लाया गया। लॉक अप में बन्द किया गया। उन्होंने कहा कि कल हमारा पेपर है। ९ साल की बच्ची कहती है कि कल हमारा पेपर है। माहिम के लॉक अप के अन्दर उन को रखा गया था। तीन बच्चों को पूरी फैमिली के साथ। उस ने कहा कि कल हमारा पेपर है। मैं ९ साल की बच्ची हूं मेरा फाईनल एग्जाम है। उसे नहीं जाने दिया गया। तीन दिन के बाद उस पूरी फैमिली को छोड़ा गया। जब वह बच्ची स्कूल गयी तो पुलिस ने कहा कि आप मां को ला दीजिये कि आप को जेल में बन्द किया गया था। जब थाने में गयी तो उन्होंने कहा कि हम ने आपको बन्द ही नहीं किया था। किस के पास जायें किस से फरियाद करें हम। मुझे अफसोस है आप के ऊपर कि आपका तालुक बम्बई से है। आप सब कुछ जानते हैं कि वहां क्या हो रहा है और आप खड़े हो कर चीफ मिनिस्टर को डिफेंड कर रहे हैं। शरद पवार साहब को हम ने बहुत डिफेंड किया है और मुझे शर्म आती है कि आज उन के चीफ मिनिस्टर होने के बाद बम्बई में खास तौर से बेगुनाह मुसलमानों के साथ जुल्म किया जा रहा है। मैं खुले रूप से कहता हूं इस बात को।

श्री एस. के. पी. साल्वे: शरद पवार ने जो बम्बई में किया है, अगर शरद पवार वहां नहीं होते और दूसरी दफा दंगा हो गया तो . . . (व्यवधान) . . .

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : हम तो 40 साल से दंगा भुगतते आए हैं । मैडम, मैं कुछ नहीं चाहता हूं, मैं तो सिर्फ यह चाहता हूं कि पार्लियामेंट के अंदर पूरी दो, तीन या चार घंटे की बहस उन कम्युनल रायट्स के ऊपर होनी चाहिए जो बम्बई के अंदर हुए 6 दिसम्बर के बाद । . . .

† [شری محمد افضل عرف م - افضل : ہم • تو

۴۰ سال سے دنگا بھگتتے آئے ہیں۔ میڈم۔ میں کچھ نہیں چاہتا ہوں میں تو صرف یہ چاہتا ہوں کہ پارلیمنٹ کے اندر پوری دو تین یا چار گھنٹے کی بحث ان کمیونل رائٹس کے اوپر ہونی چاہیئے جو بمبئی کے اندر ہوئے ۶ دسمبر کے بعد . . .

उपसभापति : एक मिनट ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : और इसके अंदर जो लोग जिम्मेदार हैं, उनके ऊपर क्या कार्रवाई कर रहे हैं ?

شری محمد افضل عرف م - افضل : اور اس کے اندر جو لوگ ذمہ دار ہیں ان کے اوپر کیا کارروائی کر رہے ہیں۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : आपको एक लिमिटेड परमिशन दी गई है । अगर आप चाहते हैं कि उस पर पूरी बहस हो तो हाउस में नहीं, आप चेयरमैन साहब से बात करिए । बिजनेस एडवाइजरी कमेटी अगर परमिट करती है तो डिस्कशन अलाउ करेंगे । अगर कोई ऐसी ज्यादती के वाक्-यात हुए हैं तो साल्वे साहब ने कहा कि आप उन्हें बता दीजिए, हमको बता दीजिए क्योंकि एक जनरल तरीके से बोलना कि यह वहां हो ही रहा है, ठीक नहीं है ।

†[ ] Transliteration in Arabic script.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, आपका सजेशन सर आंखों पर ।

شری محمد افضل عرف م - افضل : میڈم آپ کا سجیشن سر آنکھوں پر۔

उपसभापति : एक मिनट । आप मेरी बात सुनेंगे ? साल्वे साहब को भी पता लगा था, मुझे भी पता लगा था और यह हम लोगों ने मसला सी. एम. साहब के सामने उठाया था । ये चीजें जो हैं, इन पर इस तरह से अगर हाउस में जनरली बोलते हैं तो इससे, जैसा साल्वे साहब ने कहा, नुकसान हो सकता है । इसलिए मेहरबानी करके आप डायरेक्टर उनको बता दीजिए । आपको जो भी इत्तिला मिली है आप उन्हें बताइए, वे जरूर इस पर ध्यान देंगे ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, आपका सजेशन सर आंखों पर, लेकिन मैं यह बात कहना चाहता हूं आपसे कि पिछले चार महीने के अंदर कितनी बार यह मसला इस फोरम पर उठाया गया । वजीरे दाखिला यहां बैठे हुए हैं, क्या यह बताएंगे कि बम्बई से कितने लोगों ने टेलीफोन किया, कितने लोगों की जान बचा सके ? आप खुद बम्बई से ताल्लुक रखती हैं, आपको खुद मालूम है कि किस तरह से बेबसी का मजाहरा लोगों ने किया है । किस तरह से टेलीफोन किए हैं चीफ मिनिस्टर को और यहां दिल्ली में बैठे हुए मिनिस्टरों को और ये कुछ नहीं कर सके । टेप रिकार्डर, पुलिस के टेप रिकार्डस आज वीडियो मेगजीन्स के ऊपर दिखाए जा रहे हैं जिसके अंदर पुलिस इन्स्ट्रक्शन्स दे रही है कि फलां का मकान है तो छोड़ दो और फलां का मकान है तो जाकर के आग बुझा दो ।

†[ ] Transliteration in Arabic script.

شری محمد افضل عرف ہم۔ افضل۔ میڈم۔ آپ کا سجیشن سر آنکھوں پر۔ لیکن میں یہ بات کہنا چاہتا ہوں۔ آپ سے کہ پچھلے چار مہینے کے اندر کتنی بار یہ مسئلہ اس فورم پر اٹھایا گیا۔ وزیر داخلہ یہاں بیٹھے ہوتے ہیں کیا یہ بتائیں گے کہ بمبئی سے کتنے لوگوں نے ٹیلی فون کیا۔ کتنے لوگوں کی جان بچا سکے۔ آپ خود بمبئی سے تعلق رکھتی ہیں۔ آپکو خود معلوم ہے کہ کس طرح سے پبلسی کا مظاہرہ لوگوں نے کیا ہے کس طرح سے ٹیلیفون کئے ہیں چیف منسٹر کو اور یہاں دلی میں بیٹھے ہوئے منسٹروں کو یہ کچھ نہیں کر سکے ٹیپ ریکارڈر۔ پولیس کے ٹیپ ریکارڈرس۔ آج وڈیو میگزینس کے اوپر دکھائے جا رہے ہیں جس کے اندر پولیس انسٹرکشن دے رہی ہے کہ فلاں کا مکان ہے تو چھوڑ دو اور فلاں کا مکان ہے تو جا کر کے آگ بجھا دو۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : जो हुआ, वह गलत है। ....(**व्यवधान**) .... क्या आपके भाषण से उनकी जान बचने वाली है ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, न्यूज ट्रेक के अंदर एक आदमी को बताया गया, जिसने अपना ताल्लुक बताया शिव सेना से, उसने कहा कि हमने चार मुसलमानों को कत्ल किया, बाकायदा न्यूज ट्रेक ने दिखाया। क्या आपने उस आदमी को पकड़ा है आज तक ?

†[ ] Transliteration in Arabic script.

شری محمد افضل عرف ہم۔ افضل۔ میڈم۔ نیوز ٹریک کے اندر ایک آدمی کو بتایا گیا۔ جس نے اپنا تعلق بتایا شو سینا سے۔ اس نے کہا کہ ہم نے چار مسلمانوں کو قتل کیا۔ باقاعدہ نیوز ٹریک نے دکھایا۔ کیا آپنے اس آدمی کو پکڑا ہے آج تک

•

उपसभापति : यह जो लिमिटिड चीज थी वह आपने कह दी, अब आप बैठ जाइए। श्रीमती कमला सिन्हा।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि यह बहुत अहम मसला है, इसलिए मैं यह डिमांड करता हूं कि इस पर हुकूमत 6 दिसम्बर के बाद कितने लोग..(**व्यवधान**)..कम्पन्सेशन नहीं दिया जा रहा है। मैं आपको कम से कम 10, 20, 50 मिसालें दे सकता हूं कि खास तौर पर कुछ लोगों के नाम देखकर के उन लोगों को कम्पन्सेशन नहीं दिया जाता है। मैं किस मिनिस्टर के पास जाऊं ?

شری محمد افضل عرف ہم۔ افضل۔ میں صرف یہ کہنا چاہتا ہوں کہ یہ بہت اہم مسئلہ ہے اس لئے میں یہ ڈیمانڈ کرتا ہوں کہ اس پر حکومت ۶ دسمبر کے بعد کتنے لوگ..مداخلت..کمپنسیشن نہیں دیا جا رہا ہے۔ میں آپکو کم سے کم دس۔ بیس پچاس مثالیں دے سکتا ہوں کہ خاص طور پر کچھ لوگوں کے نام دیکھ کر ان لوگوں کو کمپنسیشن نہیں دیا جاتا ہے۔ میں کس منسٹر کے پاس جاؤں۔

†[ ] Transliteration in Arabic script.